भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1633
बुधवार, 29 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

मत्स्य 6000

†**1633. श्रीमती पूनमबेन माडम:**

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) समुद्रयान कार्यक्रम के अंतर्गत हुई प्रगति तथा मत्स्य 6000 मानव-युक्त निमज्जक पनडुब्बी के विकास और परीक्षण का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या बंदरगााह और उथले पानी में परीक्षण पूरे हो गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) निमज्जक पनडुब्बी के गहरे समुद्र में प्रदर्शन और प्रचालनशील तैनाती की समय-सीमा क्या है; और

(घ) क्या गहरे समुद्र की खोज और समुद्री संसाधनों के संधारणीय उपयोग के लिए स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कोई उपाय किए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) - (ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT), चेन्नई, द्वारा डीप ओशन मिशन के हिस्से के रूप में तीन लोगों को 6000 मीटर की गहराई तक ले जाने वाले मानव-युक्त सबमर्सिबल (मत्स्य -6000) का डिज़ाइन और एकीकरण पूरा कर लिया है। जनवरी-फरवरी 2025 में तमिलनाडु के पास कटुपल्ली में L&T शिपबिल्डिंग फैसिलिटी में क्रू के साथ मत्स्य -6000 के 8 मीटर की गहराई पर 'वेट हार्बर ट्रायल' सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

(घ) जी हाँ। मत्स्य -6000 का डिज़ाइन और डेवलपमेंट पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई द्वारा पूरा किया गया है। मत्स्य -6000 के लिए टाइटेनियम पर्सनल स्फीयर बनाने का काम ISRO के साथ मिलकर स्वदेशी प्रयास के तौर पर शुरू किया गया है। सब-सी थ्रस्टर्स, बेस फ्रेम, अंडरवाटर कैमरे और लाइट, प्रेशर केस, डेटा एक्विजिशन सिस्टम, एआई -इनेबल्ड प्रोसेसर और फाइबर-ऑप्टिक मल्टीप्लेक्सर जैसे उप-घटकों भारतीय उद्योग साझेदारों के साथ मिलकर विकसित किए गए हैं। इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम का डेवलपमेंट और उन्हें ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम, डॉप्लर वेलोसिटी लॉग, डेप्थ और एकॉस्टिक पोजिशनिंग सिस्टम और अंडरवाटर एकॉस्टिक टेलीफोन के साथ एकीकृत करने का काम DRDO के साथ मिलकर किया जा रहा है।

****